सांझ के खूबसूरत राग मारवा में कलाकार ने किया शास्त्रीय कला का बेहतर प्रदर्शन

सच प्रतिनिधि ॥ भोपाल।

43वे वर्षगांठ समारोह में पुणे के गायक कलाकार राहुल देशपांडे का शास्त्रीय गायन भारत भवन में आयोजित हुआ। विविध कलाओं के इस उत्सव में राहुल देशपांडे ने शास्त्रीय रागों के आरोह अवरोह का बेहतर तालमेल अपनी प्रस्तुति में पेश किया। खास बात यह है कि इस प्रस्तुति के लिए राहुल ने सांझ के खूबसूरत राग मारवा का चयन किया। इसमें उन्होंने दो रचनाएं पेश की। पहली प्रस्तुति विलंबित एक ताल में रचना ये माती चली चमकत...को सुनाया। इसके बाद कलाकार ने इसी राग में विलंबित दृरुत एक ताल में बंदिश बोलन जिन कभी... रचना की मनमोहक प्रस्तुति कलाप्रेमियों की स्मृति में रच बस गई। मारवा रागों का प्रमुख राग है। इस राग में कोमल रे का अधिक इस्तेमाल होता है और सा का जान-बूझकर परित्याग किया जाता है। पटियाला घराने के सुप्रसिद्ध स्व. डॉ. वसंतराव देशपांडे के पोते राहुल देशपांडे ने अपनी सधी हुई प्रस्तुति से संगीत के प्रति की गई अपनी साधना का परिचय दिया। प्रस्तुति को विस्तार देते हुए राहुल ने राग भूप में मध्यलय तीन ताल में बंदिश फूल बिन सेज संवारु... बंदिश पेश की। इसके बाद उन्होंने पहले दादरा की प्रस्तुति के बाद कबीर का निर्गुणी भजन कि प्रस्तुति दी। अंत में राहुल ने अभंग की प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम को विराम दिया। राहुल की इस प्रस्तुति में तबले पर निखिल पाठक, हारमोनियम पर अभिनव में संगत दी। इस अवसर पर भारत भवन न्यास के अध्यक्ष डॉ. वामन केंद्रे मुख्यरूप से उपस्थित हुए।

पूर्वरंग में बाल कलाकारों ने दी प्रस्तुति

पूर्वरंग में नाट्य संगीत की प्रस्तुति हुई। इसमें विल्ड्स थियेटर अकादमी के कलाकारों ने सुरुरुत गुप्ता के निर्देशन में प्रस्तुति की शुरुआत जुगलबंदी से की जिसमे सारंगी, स्वर, और तबले का गठजोड़ हुआ। उसके बाद निताता की रचना 'वर दे वीणा वादिनी' और 'कबसे में पव देख रही प्रिय' उसके बाद अंधेर नगरी से 'ले धनिया ले मेवी'। ये ठप्प आगे बड़ा तो हरिश्चंद्र तारामती का 'अब परनाम' फिर 'दूल्हा श्री राघुनाथ', राम लखन दो लड़ाके हैं रेवाड़ से 'अब कैसे छूटे राम' कबीरा खड़ा बाज़ार से 'झीनी रे झीनी रे झीनी रे चदरिया' ख्वइसरत बहू से तेरी 'लड़प पे तो वाकी चले रे 'हम लड़ेंगे साथी से ओ रे हिवाइया' और अंत में दिनकर का गीत 'दिली करो धनुष की डोरी' से हुआ। प्रस्तुति में तीन हारमोनियम, एक सारंगी, तबला ढोलक और नगाड़े का प्रयोग हुआ। प्रस्तुति को एक नाटक की तरह ही पिरोया गया जिसके बीच में कोई कर नहीं रहा ये अपने आप में एक नया प्रयोग है। लगभग 17 से 20 कलाकारों ने इसे जीवंत किया। आज कार्यक्रम में प्रस्तुतियों की कड़ी में 19 फरवरी यानी शाम 6.30 बजे से मणिमाला सिंह और साथी कलाकारों की ऋतु गीतों की प्रस्तुति होगी। शाम 7 बजे से महाकवि कालिदास की रचना ऋतु संहार पर आधारित नाटक संवत्सर कथा की प्रस्तुति दी जाएगी, जिसका निर्देशन पियाल भट्टाचार्य ने किया है।

सदाबहार गीतों की शाम ने बांधा समां

सच प्रतिनिधि ॥ भोपाल।

गत दिवस भोपाल के प्रसिद्ध सिंगर वॉइस ऑफ़ रफी इंजी. आशु द्वारा आयोजित रविन्द्र भवन के गौरांजनी सभागार में सदाबहार गीतों की शाम संगीतमयी कार्यक्रम संपन्न हुआ। एंजल म्यूजिकल ग्रुप एवं देव फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संस्कृति विभाग के उपनिदेशक दिनेश मिश्रा मौजूद रहे। सदाबहार गीत खूबसूरत है वो इतना, पत्थर के सनम, ये रेशमी जुल्फ़े, रुक जाना नहीं, याद आ रहा है तेरा प्यार, सुरमई अंखियों में, ये ज़मीं रुक जाये, होशो हवास में दीवाना गाकर, जो तुमको हो पसंद, दुनिया में लोगों को धोखा, नीले-नीले अंबर, तेरे हाथों में पहना के चूड़ियां, प्यार लाहिए मुझे जीने, लेकर हम दीवाना दिल, तेरे चेहरे में वो जादू है, ने मय से मीना से न साकी से, सोलह बरस की बाली उमर, जाने जा दूंढता फिर रहा, ये मुलाकात एक बहाना है चल अकेला चल अकेला, जैसे कई गीतों से समां बांधा। इस मौके पर इंजी आशु, विपिन शर्मा, विवेक शर्मा, इशाक अली, मदन शर्मा, अजय पाटिल, मंतशा खान, संजय तिवारी, अनिल नरवरे, अनुराग, नीतू, राजा यादव, संघमित्रा, शीतल, मीता, अर्पिता, मोहन, सुरेश तनवानी, नितिन जौहरी, जीपी शर्मा आदि ने गीत गाकर खूब तालियां बटोरीं।

सच अलर्ट

प्रतिभाशाली स्टूडेंट्स के लिए देश के विभिन्न संस्थानों द्वारा दी जाने वाली स्कॉलरशिप, अवार्ड और प्रतियोगिताओं की जानकारी अब buddy4study के सहयोग से सच एक्सप्रेस पर। आवेदन के लिए लिंक करें
www.buddy4study.com

इंडिया हाई फ्लायर्स अंडरग्रेजुएट स्कॉलरशिप्स 2025

- विवरण: इंडिया हाई फ्लायर्स अंडरग्रेजुएट स्कॉलरशिप्स 2025 बर्मिंगम विश्वविद्यालय द्वारा उन छात्रों को प्रदान की जाती है जो विश्वविद्यालय में स्नातक पूर्णकालिक पूर्वस्नातक पाठ्यक्रम में अध्ययनरत हैं। शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए कुल 20 स्कॉलरशिप उपलब्ध होंगी।
- मानदंड: आवेदक को भारत का अधिवासी (डोमिसाईल्ड) तथा विश्वविद्यालय में पूर्णकालिक स्नातक पाठ्यक्रम हेतु ऑफर प्राप्त करना अनिवार्य है। उन्हें ओवरसीज फीस-पेयर छात्र के रूप में वर्गीकृत होना अनिवार्य है।
- इनाम/लाभ: यह स्कॉलरशिप प्रथम वर्ष अंडरग्रेजुएशन की पढ़ाई हेतु जीबीपी 5,000 की राशि प्रदान करती है।
- अंतिम तिथि: 31-05-2025
- आवेदन कैसे करें: स्थानीय प्रतिनिधियों और पार्टनर स्कूलों के माध्यम से ऑफलाइन आवेदन
- आवेदन लिंक: www.b4s.in/sach/IHFS1
- QR Code: https://d2w7l1p59qkl0r.cloudfront.net/static/images/scho-media/20251737709028.png

इनलैक्स शिवदासानी स्कॉलरशिप

- विवरण: इनलैक्स शिवदासानी स्कॉलरशिप 2025, इनलैक्स शिवदासानी फाउंडेशन (एक गैर-लाभकारी संगठन) द्वारा विदेश में यूरोप, अमेरिका एवं यूके विश्वविद्यालयों में पोस्ट ग्रेजुएशन अध्ययन करने वाले भारतीय छात्रों को प्रदान की जाती है।
- मानदंड: वे सभी भारतीय पासपोर्ट धारक आवेदन के पात्र हैं, जिन्होंने मान्यता प्राप्त भारतीय विश्वविद्यालयों/संस्थानों से प्रथम श्रेणी या समकक्ष डिग्री हासिल की है। आवेदक ने कक्षा से संबंधित विषयों में 65 प्रतिशत या समकक्ष अंक व गणित और विज्ञान से संबंधित विषयों में 70 प्रतिशत या समकक्ष अंक प्राप्त किये हों। आवेदक के पास वर्तमान शैक्षणिक वर्ष के लिए एक वैध विलम्बित प्रस्ताव पत्र सहित अंग्रेजी भाषा में कुशलता का प्रमाण होना चाहिए।
- इनाम/लाभ: अधिकतम यूएसडी 1,00,000 एवं अन्य लाभ (एकमुश्त)।
- अंतिम तिथि: 31-03-2025
- आवेदन कैसे करें: इसके लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।
- आवेदन लिंक: www.bys.in/sach/INLAKS1
- QR Code: https://d2w7l1p59qkl0r.cloudfront.net/static/images/scho-media/20251738917753.png

मिनिस्ट्री ऑफ़ पंचायती राज इंटर्नशिप स्कीम 2024

- विवरण: मिनिस्ट्री ऑफ़ पंचायती राज (MoPR) इंटर्नशिप स्कीम 2024 पंचायती राज मंत्रालय द्वारा पूर्वस्नातक, स्नातक, स्नातकोत्तर, डॉक्टरेट एवं पोस्ट-डॉक्टरेट डिग्री धारक अथवा अनुसंधान स्कॉलर्स के लिए दिया जाने वाला अवसर है।
- मानदंड: भारत या विदेश में किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक, स्नातकोत्तर, अनुसंधान पाठ्यक्रम, डॉक्टरेट (पीएचडी), या पोस्ट-डॉक्टरेट डिग्री प्राप्त करने वाले छात्र आवेदन के योग्य पाए हैं। जिन आवेदकों ने पिछले दो वर्षों के भीतर भारत या विदेश से कोई भी निर्धारित कोर्स पूरा किया है, आवेदन कर सकते हैं।
- इनाम/लाभ: रु 7,000 वह मासिक स्टाइपेंड, पूर्णता प्रमाण पत्र एवं अन्य लाभ
- अंतिम तिथि: 31-03-2025
- आवेदन कैसे करें: इसके लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।
- आवेदन लिंक: www.bys.in/sach/MOPR4
- QR Code: https://d2w7l1p59qkl0r.cloudfront.net/static/images/scho-media/mopr-20241733221196.jpg

नरोत्तम सेखसरिया स्कॉलरशिप्स फॉर हायर स्टडीज 2025-26

- विवरण: नरोत्तम सेखसरिया स्कॉलरशिप्स फॉर हायर स्टडीज 2025-26, नरोत्तम सेखसरिया फाउंडेशन की एक योग्यता-आधारित स्कॉलरशिप पहल है जिसका उद्देश्य भारत अथवा विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु उत्कृष्ट इच्छुक भारतीय छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है।
- मानदंड: आवेदक को भारत में आवासित भारतीय नागरिक एवं मान्यता प्राप्त भारतीय विश्वविद्यालय से ग्रेजुएट होना आवश्यक है। 31 जनवरी 2025 तक आवेदक की आयु 30 वर्ष से कम होनी चाहिए। आवेदक को भारत या विदेश में शीर्ष रैंकिंग वाले संस्थानों में फॉल (ऑटम) 2025 से शुरू होने वाले पोस्ट ग्रेजुएशन डिग्री पाठ्यक्रम अध्ययन हेतु प्रवेश करना आवश्यक है।
- इनाम/लाभ: यह स्कॉलरशिप मेंटरशिप सहित वित्तीय सहायता के रूप में ब्याज मुक्त ऋण प्रदान करती है।
- अंतिम तिथि: 17-03-2025
- आवेदन कैसे करें: इसके लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।
- आवेदन लिंक: www.bys.in/sach/NSSP1
- QR Code: https://d2w7l1p59 qkl0r. cloudfront.net/ static/images/ scho-media/2025-261738304141.png

जे एन टाटा एंडोमेंट लोन स्कॉलरशिप फॉर फॉल 2025 टू स्प्रिंग 2026

- विवरण: जे एन टाटा एंडोमेंट लोन भारतीय छात्रों से लोन स्कॉलरशिप हेतु आवेदन आमंत्रित करता है जो विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं। लोन स्कॉलरशिप के लिए चुने गए छात्रों को आश्रित ट्रेवल ग्रांट और गिफ्ट अवार्ड हेतु अनुशंसा की जा सकती है, बशर्ते वह संबंधित ट्रस्ट के ट्रस्टियों के विवेक पर एवं छात्र के विदेशी अध्ययन में उनके अग्रवर्तमान प्रदर्शन पर आधारित है।
- मानदंड: वे सभी भारतीय नागरिक आवेदन के पात्र हैं जो कम से कम एक अंडरग्रेजुएशन डिग्री पूरी कर चुके हैं भारत में किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/कॉलेज/संस्थान में किसी अंडरग्रेजुएशन प्रोग्राम के अंतिम वर्ष में हैं।
- उम्मीदवारों को विदेश में पोस्ट ग्रेजुएशन/डॉक्टरेट/पोस्टडॉक्टरेट अध्ययन हेतु इच्छुक होना अनिवार्य है।
- जिस वर्सेस में उम्मीदवारों को प्रवेश दिया गया है, उसे ग्रेजुएट प्रोग्राम (भारतीय शब्दावली में पोस्ट ग्रेजुएशन) के रूप में मान्यता प्राप्त होनी चाहिए।
- ये अभ्यर्थी जो फिएसे वर्ष/पूर्व में ज़ेण टाटा एंडोमेंट लोन स्कॉलरशिप के लिए चयनित नहीं हुए थे और अभ्यर्थी जो चयनित होने पर लोन स्कॉलरशिप का लाभ नहीं उठा पाए थे, वे दोबारा आवेदन करने के पात्र हैं।
- पहले से ही विदेश में पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई कर रहे अभ्यर्थी, अपने पहले वर्ष के अंत में या दूसरे वर्ष की शुरुआत में आवेदन कर सकते हैं, बशर्ते कि लोन स्कॉलरशिप अवार्ड के समय कम से कम एक पूर्ण शैक्षणिक वर्ष (12 महीने) बाकी हों, जो आमतौर पर किसी भी फैकल्टस वर्ष के जुलाई में होता है।
- अभ्यर्थी को अपने ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन में औसतन 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।
- अभ्यर्थी की आयु 30 जून, 2025 तक 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।
- इनाम/लाभ: 10 लाख रुपए तक की लोन स्कॉलरशिप
- अंतिम तिथि: 07-03-2025
- आवेदन कैसे करें: इसके लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।
- आवेदन लिंक: www.b4s.in/sach/JNT9
- QR Code: https://d2w7l1p59qkl0r.cloudfront.net/static/images/scho-media/2025-20261736504628.png

द्विवार्षिकी कला प्रदर्शनी और षडंग सम्मान समारोह 22 को

भोपाल। कला एवं साहित्य की सृजनात्मक संस्था सप्तवर्णी कला-साहित्य सृजन शोध पीठ की ओर से 22 फरवरी को दोपहर 2 बजे द्विवार्षिकी कला प्रदर्शनी और षडंग सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। एक दिवसीय यह कार्यक्रम कोलार रोड स्थित राजाराम रूपध्वनि कला दीर्घा में आयोजित होगा। संस्था की निदेशक डॉ. बिनय षडंगी राजाराम ने बताया कि समारोह में मेरे द्वारा लिखित यात्रा पुस्तक यायवरी और कलाकार सारिणी का लोकार्पण होगा। साथ ही समारोह में कला प्रदर्शनी में वरिष्ठ षडंग साधना सम्मान से डॉ. सुषमा श्रीवास्तव, वरिष्ठ षडंग साधना प्रशंसा पुरस्कार से डॉ. लक्ष्मी श्रीवास्तव और अनीता सक्सेना, कनिष्ठ षडंग संस्कार सम्मान से अश्मिका व्योहार, पल्लवी टोंक तथा कनिष्ठ षडंग साधना प्रशंसा पुरस्कार से शिवानी अरमा और शुभ्रा श्रीवास्तव को दिया जायेगा। इस अवसर पर आरएनटीयू के कुलाधिपति और साहित्यकार प्रो. संतोष चौबे, वरिष्ठ दंत चिकित्सक जीडी अग्रवाल, वरिष्ठ साहित्य सेवी श्रीधर पराड़कर उपस्थित होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महर्षि अगस्त्य वैदिक संस्थान के अध्यक्ष डॉ. प्रभुदयाल मिश्र करेंगे।

'द ऑफिशियल स्टोरी' फिल्म का प्रदर्शन आज

भोपाल। 'द ऑफिशियल स्टोरी' फिल्म आज शाम 5.30 बजे से शिवाजी नगर स्थित महिला चेतना मंच में प्रदर्शित की जाएगी। लुइस पुएंजो द्वारा निर्देशित 112 मिनट की यह फिल्म लैटिन अमरीकी देश अर्जेंटीना के डर्टी वॉर की भयावहता को उजागर करती है। इस कार्यक्रम में ऑडियंस का प्रवेश निःशुल्क रहेगा। यहां हर शनिवार फिल्म दिखाई जाती है।

वनमाली कथा समय एवं राष्ट्रीय विष्णु खरे कविता सम्मान समारोह आज से

नंदकिशोर आचार्य, ए. अरविंदाक्षन, लीलाधर मंडलोई तथा पार्वती तिर्की होंगे सम्मानित

भोपाल । कहानी और कविता पर केंद्रित भव्य समागम आज शुरू होने जा रहा है। कला, साहित्य एवं संस्कृति के लिये समर्पित वनमाली सृजनपीठ द्वारा वनमाली के शिष्य एवं प्रखर कवि, आलोचक, अनुवादक, पत्रकार विष्णु खरे की स्मृति में राष्ट्रीय कविता सम्मानों की घोषणा की गई है। तीन दिवसीय वनमाली कथा समय एवं राष्ट्रीय विष्णु खरे कविता सम्मान समारोह रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय एवं स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी में होगा। चार अलग-अलग श्रेणियों में रचनाकारों को सम्मानित किया जाएगा। विष्णु खरे आलोचना सम्मान से वरिष्ठ आलोचक, कवि, अनुवादक नंदकिशोर आचार्य (बीकानेर), विष्णु खरे अनुवाद सम्मान

से वरिष्ठ अनुवादक ए. अरविंदाक्षन (केरल), विष्णु खरे कविता सम्मान से सुप्रसिद्ध साहित्यकार, कवि, अनुवादक एवं आलोचक लीलाधर मंडलोई (नई दिल्ली) तथा विष्णु खरे युवा कविता सम्मान से युवा कवियत्री सुश्री पार्वती तिर्की (झारखंड) को सम्मानित किया जाएगा। वनमाली कथा समय एवं विष्णु खरे कविता सम्मान समारोह 19 से 21 फरवरी-2025 को भोपाल में आयोजित किया जाएगा। आज और कल रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में 'कथा समय' का एवं 21 फरवरी को विष्णु खरे कविता सम्मान का आयोजन स्कोप ग्लोबल स्किल्स वि$$ विद्यालय भोपाल के वनमाली सभागार में आयोजित किया जाएगा। इस समारोह का संचालन टैगोर विश्व कला और संस्कृति केन्द्र के निदेशक विनय उपाध्याय करेंगे। इस अवसर पर विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलम्पियाड-2025 का पोस्टर रिलीज किया जाएगा। सम्मान समारोह में पुरस्कृत रचनाकारों के साथ देश के ख्यात साहित्यकार ममता कालिया (नई दिल्ली), अरुण कमल (पटना), अखिलेश (लखनऊ), जितेन्द्र श्रीवास्तव (दिल्ली), ओमा शर्मा (मुंबई), मनीषा कुलश्रेष्ठ (जयपुर), महेश दर्पण, प्रकाश मनु, देवी प्रसाद मिश्र (नई दिल्ली), नीलेश रघुवंशी, मुकेश वर्मा, संतोष चौबे (भोपाल), महेश वर्मा, रामकुमार तिवारी (छत्तीसगढ़) तथा 100 से अधिक वनमाली सृजन केन्द्रों के संयोजक भाग लेंगे। भोपाल तथा मध्यप्रदेश के भी अनेक साहित्यकार विभिन्न सत्रों में उपस्थित रहेंगे।

एलएनसीटी विश्वविद्यालय और आश्रम गांधी पुरी के बीच करार पर हस्ताक्षर

भोपाल। पद्म श्री डॉ. एंगस इंट उदयन द्वारा की गई भारत यात्रा के दौरान एलएनसीटी विश्वविद्यालय और आश्रम गांधी पुरी, बाली, इंडोनेशिया के बीच एक महत्वपूर्ण करार पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता आयुर्वेद और योग में विशेषज्ञता हासिल कर रहे छात्रों के लिए एक एक्सचेंज प्रोग्राम की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया है, जिसके माध्यम से इन पारंपरिक विषयों में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और आपसी सांस्कृतिक सीखने को बढ़ावा दिया जाएगा। उक्त करार एलएनसीटी समूह के सचिव और जेएनसीटी प्रोफेशनल विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अनुपम चौकसे की उपस्थित में विश्वविद्यालय

के कुलपति प्रो. (डॉ.) नरेंद्र कुमार थापक और आश्रम गांधी पुरी, इंडोनेशिया के संस्थापक उदयन के बीच हस्ताक्षरित किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अजीत सोनी उपकुलसचिव डॉ विराट जायसवाल, एलएन मेडिकल कॉलेज की डीन नलनी मिश्रा आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ.सपन जैन , लॉ कॉलेज की प्राचार्य डॉ.अनुष्का नाइक एवं अन्य फैकल्टी सदस्य और विभाग अध्यक्ष भी रहे मौजूद रहे। यह साझेदारी वैश्विक नागरिकों के पोषण के प्रति प्रतिबद्धता का परिचायक है, जो आयुर्वेद और योग की समृद्ध विरासत के साथ-साथ गांधीवादी दर्शन की बुद्धिमत्ता को भी गले लगाते हैं।

श्रील प्रभुपाद को विश्व गुरु की उपाधि से किया सम्मानित

भोपाल। भक्तिवेदांत स्वामी श्रील प्रभुपाद को ऐतिहासिक महाकुंभ के पावन अवसर पर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने पहली बार विश्व गुरु की उपाधि से सम्मानित किया। विश्व गुरु पट्टाभिषेक कार्यक्रम निरंजनी अखाड़ा के परिसर में नित्यानंद त्रयोदशी के पवन तिथि के अवसर में सम्पन्न हुआ। यह उपाधि श्रील प्रभुपाद को दुनिया भर में लाखों-करोड़ों अनुयायियों को सनातन धर्म से जोड़ने एवं इस्कॉन के प्रति देश-विदेश में उमड़ी श्रद्धा को देखते हुए दी गई। निरंजनी पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 स्वामी कैलाशनंद गिरी महाराज, श्रीमहंत रवींद्र पूरी महाराज अध्यक्ष अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद, आचार्य महामंडलेश्वर अवधूत अरुण गिरी जी श्री आवाहन अखाड़ा पीठाधीश, अखाड़ों के महामण्डलेश्वरगण, सचिव गण, श्रीमहंतगण एवं हजारों भक्तों की उपस्थिति में हुआ। हरे कृष्ण मूवमेंट और इस्कॉन बंगलौर के अध्यक्ष मधु पंडित दास और वृन्दावन चंद्रोदय मंदिर के अध्यक्ष चंचलापति दास जी के पावन सानिध्य में स्वामी प्रभुपाद को यह सम्मान प्रदान किया गया। धन्यवाद प्रस्ताव भरतर्षभ दास ने की। अखाड़ा परिषद ने इस अवसर पर एक बयान जारी करते हुए कहा कि हम सभी अत्यंत हर्ष एवं प्रसन्नता की अनुभूति कर रहे हैं कि परमपूज्य पाद श्रील प्रभुपाद को विश्व गुरु की उपाधि दी गई। उनका योगदान सनातन धर्म के प्रसार में अद्वितीय है, और उनकी शिक्षाओं से लाखों लोगों का जीवन बदल चुका है।

मैरिको इनोवेशन फाउंडेशन द्वारा 'इंडियन इनोवेशन आइकॉन्स 2025' 10वें संस्करण का आयोजन

भोपाल। मैरिको इनोवेशन फाउंडेशन (एमआयएफ) द्वारा 'इंडियन इनोवेशन आइकॉन्स 2025' इस 10वें संस्करण का आयोजन किया जा रहा है। यह मंच उन नवाचारों को पहचान दिलाने का कार्य करता है, जो वर्तमान में सुर्खियों में नहीं हैं, लेकिन भविष्य में क्रांतिकारी बदलाव ला सकते हैं। 6 मार्च, 2025 को मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में होने वाले इस भव्य कार्यक्रम में 1000 से अधिक दिग्गज व्यक्ति, उद्यमी, निवेशक और समाज में बदलाव लाने वाले व्यक्ति शामिल होंगे। पिछले दो दशकों से, इंडियन इनोवेशन आइकॉन्स मंच ने कई नवाचारों को मुख्यधारा में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपने पिछले 9 संस्करणों में इस मंच ने 65 से अधिक नवाचारों को वैश्विक पहचान दिलाई और सामाजिक, पर्यावरणीय एवं आर्थिक क्षेत्रों में व्यापक प्रभाव डाला। इस वर्ष, 10वें ऐतिहासिक संस्करण में दूरसंचार, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, जल प्रबंधन, विनिर्माण, सहायक प्रौद्योगिकी और शिक्षा जैसे क्षेत्रों से 7 उत्कृष्ट नवाचारों को सम्मानित किया जाएगा। 1000 से अधिक प्रविष्टियों में से चयनित इन 7 नवाचारों को यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। विजेता अपने प्रेरणादायक सफर को टेड-स्टाइल चर्चाओं के माध्यम से साझा करेंगे, जिससे दर्शकों को उनके दृढ़ संकल्प, संघर्ष और दृष्टी को गहराई से समझने का अवसर मिलेगा। मैरिको इनोवेशन फाउंडेशन के बोर्ड के मानद अध्यक्ष अमित चंद्रा ने कहाकि यह संस्करण हर दो साल में आयोजित किया जाता है और उभरते हुए नवप्रवर्तकों को पहचान दिलाने का प्रमुख मंच बन चुका है। इस कार्यक्रम के माध्यम से लोगों में नवाचार के प्रति उत्साह और उम्मीदें बढ़ती हैं, क्योंकि वे प्रत्यक्ष रूप से नवाचारों के प्रभाव और उनके दृष्टिकोण को देख सकते हैं। इस नए स्वरूप के साथ हम इन क्रांतिकारी विचारों की वृद्धि को गति देने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत कर रहे है।

आईआईएम ने पूर्णतः वित्तपोषित पीएचडी कार्यक्रम 2025 के लिए आवेदन आमंत्रित किए

भोपाल। भारतीय प्रबंध संस्थान ने अपने पूर्णकालिक पीएचडी कार्यक्रम 2025 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की है। आवेदन की अंतिम तिथि 10 मई 2025 निर्धारित की गई है। अधिक जानकारी के लिए हमें doctoral.admission@iimrajpur.ac.in पर लिखें। यह पूर्णकालिक, पूरी तरह से वित्त पोषित कार्यक्रम वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त विद्वानों को विकसित करने के लिए संरचित किया गया है, जो प्रबंधन शोध और शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए सक्षम होंगे। इच्छुक उम्मीदवारों को आमंत्रित करते हुए भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर के निदेशक प्रोफेसर राम कुमार काकानी ने कहा कि हमारा संस्थान एक शोध-प्रधान शैक्षणिक वातावरण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, जो विद्वानों को ज्ञान और नवाचार की सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए सशक्त बनाता है। हमारा पीएचडी कार्यक्रम उच्च गुणवत्ता वाले और प्रभावशाली अध्ययनों में संलग्न होने के लिए एक मजबूत मंच प्रदान करता है, जो न केवल शिक्षाविदों बल्कि उद्योग जगत में भी योगदान देगा। मैं उन सभी को आमंत्रित करता हूँ जो प्रबंधन के विचार और अभ्यास के भविष्य को आकार देना चाहते हैं।

डॉक्टोरल कार्यक्रम चार वर्षों का है और इसे तीन चरणों में विभाजित किया गया है। प्रबंधन की मूलभूत अवधारणाएँ, विशेषज्ञता और डॉक्टोरल शोध प्रबंध। यह अर्थशास्त्र और सार्वजनिक नीति, वित्त और लेखा, मानव संसाधन प्रबंधन और संगठनात्मक व्यवहार, मानविकी और लिबरल आर्ट्स (जिसमें व्यावसायिक संचार शामिल है), सूचना प्रणाली, विपणन, संचालन और मात्रात्मक तकनीकों, तथा रणनीति और उद्यमिता जैसे विभिन्न क्षेत्रों में शोध के अवसर प्रदान करता है। शोध उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए, इस कार्यक्रम में वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिसमें पहले दो वर्षों के लिए प्रति माह 50,000 रुपए की छात्रवृत्ति और उसके बाद के वर्षों के लिए 55,000 रुपए की छात्रवृत्ति शामिल है। इसके अलावा, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों के लिए 2,00,000 रुपए की अनुदान राशि दी जाती है। डॉक्टोरल विद्वानों को एक आकस्मिक अनुदान और शोध-संबंधित संसाधनों के लिए एक बार 50,000 रुपए की सहायता भी दी जाएगी।